खबर संक्षेप

सांसद ने हितग्राहियों को वितरित किया हितलाभ

शहडोल। जनपद पंचायत जयसिंहनगर के ग्राम गंधिया के राम वन पथगमन सीतामढ़ी धाम में आयोजित कार्यक्रम में सांसद संसदीय क्षेत्र सीधी डॉ. राजेश मिश्रा एवं विधायक श्री शरद कोल ने आयुष्मान भारत योजना के तहत लाभान्वित हितग्राही ग्राम गंधिया निवासी श्री रामप्रताप कंवर, राखी मौर्य को सांकेतिक चेक प्रदान किया। आयुष्मान भारत योजना के तहत पात्र हितग्राहियों का चिन्हित अस्पतालों में 5 लाख रुपए तक का निःशुल्क उपचार किया जाता है।

संयुक्त संचालक ने आंगनवाड़ी केन्द्रों का किया निरीक्षण

शहडोल। कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता के निर्देशानुसार संभाग में कुपोषण को समाप्त करने निरंतर कुपोषण मुक्त अभियान चलाया जा रहा है। संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास श्रीमती मंजूलता सिंह ने तहसील ब्यौहारी के चवाई क्रमांक 01 एवं 04 की आंगनवाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से आंगनवाड़ी केंद्रों में गर्भवती माताओं और बच्चों को दी जा रही संदर्भ सेवाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों की उपस्थिति शत- प्रतिशत रहे, उनका वजन करे व गर्भवती माताओं और बच्चों को आंगनवाड़ी केंद्र के माध्यम से दिए जाने वाले पोषण आहार समय पर मिले यह सुनिश्चित करें। प्रत्येक बच्चे का वजन माप समय समय पर करे जिससे कुपोषण की पहचान की जा सके और समय रहते उनका उपचार हो सके। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों के लिए खिलौने, पढ़ाई के लिए सामग्री, निर्धारित समय के अनुसार आहार आदि की व्यवस्था बेहतर रहे। संयुक्त संचालक में अपने समक्ष बच्चों का वजन माप भी करवाया।

किराना दुकान की आड़ में चल रहा लाखों का अवैध बीसी कारोबार, प्रशासन मौन

शहडोल। शहर के सिंधी बाजार क्षेत्र में स्थित एक साधारण सी किराना दुकान इन दिनों शहरभर में चर्चा का विषय बनी हुई है। कारण है इस दुकान की आड़ में चल रहा एक अवैध और बड़ा बीसी (ब्याज चालू) नेटवर्क, जिसे स्थानीय व्यक्ति अमित द्वारा संचालित किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि यह अवैध वित्तीय लेन-देन का धंधा पिछले 8 वर्षों से बिना किसी कानूनी पंजीकरण और सरकारी अनुमति के चलाया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, इस बीसी नेटवर्क में हर महीने 20,000 से लेकर 5 लाख तक की नकद लेन-देन की जाती है। अमित इस बीसी कारोबार को डिजिटल प्लेटफॉर्म, खासकर व्हाट्सएप ग्रुप के जरिए संचालित करता है। समूह में जुड़े लोगों से हर माह बोली लगवाकर जिसे सबसे ज्यादा छूट देने की सहमति होती है, उसे राशि दी जाती है। यह पूरा सिस्टम बेहद योजनाबद्ध है, लेकिन इसका कोई वैध लेखा-जोखा नहीं है।

सेकंड बीसी और भारी ब्याज दरें

अमित न केवल बीसी नेटवर्क चला रहा है, बल्कि वह खुद भी "सेकंड बीसी" उठाता है, जिसमें वह बिना ब्याज के रकम प्राप्त करता है। इस रकम को वह गैरकानूनी बाजारों और निजी उधारी में लगाता है और 2 से 3 गुना तक मुनाफा कमाता है। जिन लोगों को तत्काल नकदी की आवश्यकता होती है, उन्हें वह 30त्न से 35त्न ब्याज दर पर धन देता है, जो सीधे-सीधे सूदखोरी और अवैध फाइनेंसिंग की श्रेणी में आता है।

कानून का खुला उल्लंघन

मौजूदा कानूनों के अनुसार, बीसी संचालन या वित्तीय लेन-देन की यह प्रक्रिया केवल लाइसेंस प्राप्त एनबीएफसी या पंजीकृत सहकारी समितियों द्वारा की जा सकती है। लेकिन अमित का नेटवर्क न तो रजिस्टर है और न ही किसी प्रकार की आयकर या वित्तीय पारदर्शिता रखता है। इस प्रकार का संचालन कालेधन, टैक्स चोरी और मनी लॉन्ड्रिंग जैसे गंभीर अपराधों को जन्म देता है।

प्रशासन मौन, लोगों में चिंता

अब तक प्रशासन या पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे स्थानीय नागरिकों में रोष है। लोगों का कहना है कि यह बीसी सिस्टम शहर में नकदी के असामान्य प्रवाह को जन्म दे रहा है और कई निर्दोष लोग आर्थिक रूप से फंस सकते हैं। जनहित में जांच और कार्रवाई आवश्यक है, ताकि भविष्य में कोई बड़ी वित्तीय धोखाधड़ी न हो।

मातम के बीच भाजपा का फोटो इवेंट, सीवर हादसे पर उठे गंभीर सवाल

घटना के तीन दिन बाद भी कंपनी पर एफआईआर नहीं

कंपनी की राहत राशि को देकर किया फोटोसेशन

शहडोल में दो मजदूरों की दर्दनाक मौत के बाद मातम के माहौल में भाजपा नेताओं द्वारा फोटो इवेंट करना अब सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। सीवर निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा उपकरणों के अभाव में मजदूरों की जान गई, कंपनी ने परिजनों को 6-6 लाख रुपए की राशि दी, जिसे भाजपा नेताओं ने मौके पर डिटेल सौंपते हुए प्रचार का माध्यम बना लिया। इस संवेदनहीनता पर अब सवाल उठने लगे हैं।

हरिभूमि न्यूज, शहडोल।

संभागीय मुख्यालय में सीवर लाइन निर्माण कार्य के दौरान हुई दो मजदूरों की मौत के बाद जिस संवेदनशीलता और सहानुभूति की अपेक्षा थी, उसका अभाव साफ नजर आया। घटना के तीसरे दिन भाजपा की जिला अध्यक्ष अमिता चपरा, जयसिंहनगर विधायक मनीषा सिंह सहित अन्य भाजपा नेताओं ने मृतकों के परिजनों को चेक सौंपने के दौरान फोटो खिंचवाकर सोशल मीडिया पर प्रचारित कर दिया, जिससे भाजपा की नीयत पर सवाल उठने लगे हैं। यह घटना 17 जुलाई की दोपहर को हुई थी, जब सीवर निर्माण कार्य के दौरान मेसर्स

स्नेहल कंपनी के अधीन दो मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई थी। प्रत्यक्षदर्शियों और बयान के अनुसार, कंपनी के जिम्मेदार घटना के वक्त मौके से फरार हो गए थे। अगर वे मौजूद रहते, तो शायद एक जान बच सकती थी। मृतकों को न तो हेलमेट, न सेफ्टी बेल्ट और न ही अन्य सुरक्षा उपकरण दिए गए थे। यह घोर लापरवाही मजदूरों की जान पर भारी पड़ी। घटना के तुरंत बाद कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, पुलिस अधीक्षक, एसडीएम, तहसीलदार सहित प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंच गया और मोर्चा संभाला, लेकिन भाजपा के कोई बड़े नेता उस समय नहीं पहुंचे। बाद में जब मैसेज स्नेहल कंपनी ने परिजनों के खातों में 6-6 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए, तब भाजपा नेताओं का दल फोटो खिंचवाने पहुंच गया। भाजपा ने इस आर्थिक सहायता को अपने नाम से जोडऩे का प्रयास किया, जिससे जनता और सोशल मीडिया में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली।

चर्चा का विषय बना भाजपा का 'फोटो इवेंट'

भाजपा नेताओं द्वारा चेक सौंपने के दौरान फोटोशूट और सोशल मीडिया प्रचार से इस दुखद घटना का राजनीतिकरण होता दिखा। लोगों का कहना है कि मातम के मौके को भाजपा ने प्रचार का मंच बना दिया। परिजनों के आंसू अभी सूखे भी नहीं थे कि नेताओं की टीम फोटो खिंचवाकर चले गई। यह भी स्पष्ट नहीं हो पाया कि भाजपा द्वारा स्वयं या संगठन स्तर पर मृतकों के परिजनों को कोई आर्थिक सहायता, राशन, या अन्य सहायता उपलब्ध कराई गई है या नहीं। केवल कंपनी द्वारा दी गई राशि को सौंपते हुए प्रचार कर देना जनभावनाओं के विपरीत माना जा रहा है।

पालिका व प्रशासन के बीच तालमेल का अभाव

घटना के बाद कलेक्टर ने मीडिया को बताया था कि नगर पालिका को एफआईआर दर्ज करने और आगे की कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं, लेकिन नगर पालिका सीएमओ अक्षत बुंदेला का कहना है कि उन्हें इस संबंध में कोई आदेश नहीं मिले हैं। उनकी ओर से थाने में कोई शिकायत भी दर्ज नहीं कराई गई है। सोहागपुर थाना प्रभारी भूपेंद्र मणि पाण्डेय ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। कंपनी के स्थानीय प्रबंधक विजय सिंह सहित जिम्मेदारों को नोटिस देकर जवाब मांगा गया है कि घटना के वक्त मजदूरों की निगरानी किसकी जिम्मेदारी थी। उन्होंने कहा कि दोषियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया जाएगा।

काम अभी भी जारी, और हादसे की आशंका

घटना के बावजूद मेसर्स स्नेहल कंपनी द्वारा बरसात के मौसम में भी गहरे सीवर कार्य जारी रखे जा रहे हैं। रविवार सुबह मेडिकल कॉलेज मार्ग के पास मजदूरों को फिर से 10 फीट से अधिक गहरी खुदाई में उतार दिया गया था, जिससे और किसी हादसे की आशंका बनी हुई है। अन्य वार्डों में भी इसी तरह की स्थिति देखने को मिल रही है।

कांग्रेस की निष्क्रियता भी सवालों के घेरे में

मामले पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुभाष गुप्ता ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर आंदोलन की बात जरूर कही, लेकिन कांग्रेस के किसी बड़े नेता या पदाधिकारी ने अब तक परिजनों से मिलकर कोई मदद नहीं पहुंचाई है। केवल प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कोरम पूरा किया जा रहा है, जो जनभावनाओं से जुड़ाव की कमी को दर्शाता है। इस पूरी घटना ने कई स्तरों पर प्रशासन, राजनीतिक दलों और ठेका कंपनियों की जवाबदेही को कटघरे में खड़ा कर दिया है। मजदूरों की जान की कीमत पर चल रहे ऐसे निर्माण कार्य, संवेदनहीन राजनीति, और लचर निगरानी प्रणाली से सवाल उठते हैं कि आखिर कब तक जान जाने के बाद ही कार्रवाई होगी? जनता अब जवाब मांग रही है।

जैतपुर में युवक को दबंगों ने बंधक बनाकर पीटा

परिजनों ने पुलिस पर लापरवाही के लगाए आरोप

शहडोल।

जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत गाड़ाघाट डोंगरीटोला तिराहे पर दबंगई का सनसनीखेज मामला सामने आया है। ग्राम जैतपुर निवासी सरफराज खान को दबंगों ने बीच रास्ते से जबरन उठाकर बंधक बनाया और फिर बेरहमी से पीट-पीटकर घायल कर दिया। घटना 6 जुलाई की शाम करीब 6 बजे की है, जब सरफराज अपने दोस्तों के साथ ताजिया देखने जा रहा था। तभी ग्राम सेजहाई के निवासी बीर विक्रम सिंह और उसके साथी प्रियांशू सिंह ने उसका रास्ता रोक लिया।

पीड़ित सरफराज खान के अनुसार, आरोपियों ने पहले उसे गालियां दीं और फिर जब उसने विरोध किया तो दोनों ने उसे पकडक़र जबरन गांव के पीपल पेड़ की ओर ले गए। वहां डंडों से बुरी तरह पिटाई की गई। किसी तरह उसने अपने बड़े भाई अस्फाक खान को फोन कर बुलाया, लेकिन मौके पर पहुंचते ही

अस्फाक को भी नहीं छोड़ा गया। उन्हें भी डंडों से पीटा गया और जान से मारने की धमकियां दी गईं।

घटना के प्रत्यक्षदर्शी नईम खान और आकिब खान ने बताया कि उन्होंने बीच-बचाव कर दोनों भाइयों को हमलावरों के चंगुल से छुड़ाया। हमले में सरफराज के सिर, आंख और घुटने पर गंभीर चोटें आई हैं, जबकि अस्फाक के कंधे, कोहनी और हाथ में चोट लगी है। परिजनों के अनुसार सरफराज के सिर में टांके तक आए, इसके बावजूद पुलिस ने मामूली धाराओं में केस दर्ज किया है। जैतपुर थाने में एफआईआर बीएनएस की धारा 126, 296, 115(2), 351(3) और 3(5) के तहत दर्ज की गई है। जबकि परिजनों का आरोप है कि यह अपहरण और जानलेवा हमले का मामला है, और गंभीर धाराएं जोड़ी जानी चाहिए थीं। उन्होंने पुलिस पर आरोपियों से मिलीभगत कर मामले को हल्का करने का आरोप लगाया है। इस घटना को लेकर गांव में भय और रोष का माहौल है। पीड़ित परिवार ने पुलिस अधीक्षक और कलेक्टर से निष्पक्ष जांच की मांग की है। पुलिस का कहना है कि जांच जारी है और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर धाराएं बढ़ाई जा सकती हैं।

शहडोल में हाथियों का आतंक और बारिश का कहर

कई घर तबाह, ग्रामीण खुले आसमान के नीचे

शहडोल।

जिले के बुढार वन परिक्षेत्र अंतर्गत हरदी बीट के ग्रामों में बीते तीन दिनों से जंगली हाथियों का आतंक बना हुआ है। हाथियों के झुंड ने सिलपरी, कठई, कोल्हारू टोला, हरदी 32 और कोदवार कला गांवों में कई कच्चे-पक्के घरों को ध्वस्त कर दिया है। स्थिति और भयावह तब हो गई जब इन्हीं दिनों में क्षेत्र में लगातार मूसलाधार बारिश भी शुरू हो गई, जिससे ग्रामीणों की मुसीबतें कई गुना बढ़ गई हैं। प्रभावित क्षेत्रों के सैकड़ों लोग अब खुले आसमान के नीचे, खेतों के किनारे तिरपाल या प्लास्टिक की छतों के नीचे शरण लेने को विवश हैं। महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग सबसे अधिक परेशान हैं। जिनका सब कुछ उजड़ गया है, वे भोजन, कंबल और प्राथमिक चिकित्सा की भी मांग कर रहे हैं।

प्रशासन और वन विभाग की घोर लापरवाही

स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि न तो वन विभाग ने कोई पूर्व चेतावनी दी, और न ही कोई सुरक्षा या राहत व्यवस्था की गई। रात्रिकालीन गश्त, राहत केंद्र, या हाथियों को दूर भगाने के उपाय पूरी तरह नदारद हैं। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन और विभागीय अधिकारी सिर्फ हाथियों के लौट जाने का इंतजार कर रहे हैं।

जगन्नाथ शर्मा ने किया दौरा, की तात्कालिक मदद

जिला पंचायत सदस्य जगन्नाथ शर्मा ने प्रभावित गांवों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया और कुछ पीड़ितों को तात्कालिक सहायता भी प्रदान की। उन्होंने कहा चार दिनों से हाथियों का झुंड लगातार उत्पात मचा रहा है, लेकिन विभाग अब तक मूकदर्शक बना हुआ है। बारिश ने हालात और बदतर कर दिए हैं।

जनहानि की आशंका, तत्काल राहत की मांग

ग्रामीणों ने प्रशासन से अपील की है कि उन्हें तुरंत अस्थायी आवास, राशन, कंबल, दवा और पीने का पानी मुहैया कराया जाए। साथ ही, प्रशिक्षित वनकर्मियों की टीम लगाकर हाथियों को जंगल की ओर खदेड़ा जाए। स्थिति बेहद गंभीर और संवेदनशील बनी हुई है। यदि तत्काल ठोस कदम नहीं उठाए गए तो जनहानि और महामारी की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

कोल इंडिया के सेंट्रल हॉस्पिटल सोहागपुर में एंबुलेंस घोटाला

जर्जर गाड़ियां बनीं मौत का साधन, डेढ़ साल से टेंडर में चल रहा खेल

धनपुरी।

कोल इंडिया की सहयोगी कंपनी साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के सोहागपुर एरिया मुख्यालय स्थित सेंट्रल हॉस्पिटल में एंबुलेंस सेवाओं में भारी अनियमितता और संभावित भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। डेढ़ वर्ष से पुराने ठेकेदार को नियमों के खिलाफ अनुबंध का लगातार विस्तार दिया जा रहा है, जिससे न केवल नियमों की धज्जियां उड़ रही हैं, बल्कि मरीजों की जान भी खतरे में पड़ रही है। जानकारी के अनुसार, एंबुलेंस सेवा का टेंडर काफी पहले समाप्त हो चुका है, लेकिन नए टेंडर की प्रक्रिया को जानबूझकर टालते हुए पुराने ठेकेदार को सेवा जारी रखने दी जा रही है। नियमों के अनुसार, केवल एक बार सीमित अवधि का विस्तार अनुमन्य होता है, लेकिन यहां डेढ़ वर्ष से यह अनुचित व्यवस्था चल रही है। हैरानी की बात यह है कि एंबुलेंस सेवा का यह ठेका शहडोल के एक निजी ट्रांसपोर्टर के नाम पर है, जिसने वर्षों पुरानी, खस्ताहाल गाडिय़ों को सेवा में लगाकर भारी कमाई का जरिया बना लिया है। अस्पताल प्रबंधन और एरिया के कुछ अधिकारियों की मिलीभगत से यह खेल बेधडक़ जारी है।

कागजों में सफर, असल में खड़ी गाडिय़ाँ

विश्वसनीय सूत्रों का दावा है कि कुछ प्रभावशाली अधिकारियों ने इन गाडिय़ों पर कागजी भाड़ा दिखाकर भारी घपला किया है। वास्तविक रूप से गाडिय़ाँ कहीं नहीं जातीं, लेकिन कागजों में उनके लंबी दूरी के सफर और भाड़े का भुगतान दर्शाकर राशि का दुरुपयोग किया जा रहा है। अस्पताल में आने वाले मरीजों और कर्मचारियों ने इस संबंध में कई बार शिकायतें दर्ज कराईं, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। एरिया की अन्य इकाइयों में भी यही ट्रांसपोर्टर अपनी खस्ताहाल गाडिय़ों के माध्यम से सेवा दे रहा है।

जर्जर गाड़ियां जान का जोखिम

सूत्रों की मानें तो वर्तमान में जो एंबुलेंस गाडिय़ाँ उपयोग में लाई जा रही हैं, वे न तो तकनीकी रूप से फिट हैं और न ही आपात स्थिति में उपयोग के लायक। इंजन, ब्रेक और सस्पेंशन तक खराब होने के बावजूद इन गाडिय़ों को अस्पताल परिसर में खड़ा कर "सेवा में" दिखाया जा रहा है। कई बार मरीजों को रेफर करते समय गाडिय़ाँ बीच रास्ते में बंद हो जाती हैं, जिससे गंभीर स्थिति पैदा हो जाती है।

एसईसीएल की प्रतिष्ठा पर प्रश्नचिन्ह

कोल इंडिया जैसी प्रतिष्ठित सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी में ऐसी अनियमितताएं न केवल उसके नियमों और पारदर्शिता की प्रक्रिया पर सवाल खड़ा करती हैं, बल्कि इससे आम लोगों और कर्मचारियों की जान भी दांव पर लगती है। अब देखने वाली बात यह होगी कि स्श्वष्टरु का शीर्ष प्रबंधन इस मामले पर क्या रुख अपनाता है। जनता और कर्मचारियों की ओर से मांग की जा रही है कि इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में इस तरह की लापरवाही दोहराई न जाए।

एलआईसी बिल्डिंग के सामने जलभराव की समस्या जस की तस

एक साल बाद भी नहीं मिला समाधान, प्रशासन पर उठे सवाल

शहडोल।

शहर के हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी स्थित एलआईसी बिल्डिंग के सामने पिछले एक वर्ष से लगातार जलभराव की समस्या बनी हुई है। हर बार की तरह इस बार भी नगर पालिका और जिम्मेदार विभागों की अनदेखी के चलते भारी बारिश के बाद इलाके में पानी भर गया, जिससे कई घरों को नुकसान हुआ और जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। 6 जुलाई को हुई मूसलधार बारिश ने शहर में कहर बरपाया। कई स्थानों पर जलभराव हुआ, लेकिन एलआईसी बिल्डिंग के सामने स्थिति बेहद विकराल हो गई। पानी की तेज धारा ने कुछ घरों की दीवारें गिरा दीं और घरेलू सामान भी नष्ट हो गया। स्थानीय नागरिकों के अनुसार पिछले वर्ष भी ऐसी ही स्थिति उत्पन्न हुई थी। तब उन्होंने शहडोल कमिश्नर, कलेक्टर, सीएमओ और विधायक को ज्ञापन सौंपकर समाधान की मांग की थी, परंतु आज तक कोई स्थायी कार्य नहीं किया गया।

गलत डिजाइन बना मुसीबत की जड़

जानकारी के अनुसार, नए बस स्टैंड से लल्लू सिंह चौक तक मॉडल रोड निर्माण के दौरान, रीवा होटल के पास एलआईसी बिल्डिंग के सामने से गुजरने वाले मुख्य नाले की चौड़ाई कम कर दी गई। इसके साथ ही नाले को संकीर्ण व अव्यवस्थित डिजाइन में ढाल दिया गया, जिसमें आईसीसी पाइप का इस्तेमाल किया गया। इस कारण बारिश के पानी की निकासी बाधित हो रही है और पानी सीधे लोगों के घरों में भर रहा है।

जनता की शिकायतें बनी अनसुनी

हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के निवासियों ने बताया कि उन्होंने नगर पालिका, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से कई बार शिकायत की, लेकिन उनकी समस्या को अनसुना कर दिया गया। हर बार आश्वासन तो मिल जाता है, लेकिन धरातल पर कोई कार्य नहीं होता। हालात तब बदले जब 6 जुलाई को हालात बिगड़े और मीडिया में मामला उजागर हुआ। इसके बाद सांसद, विधायक, कलेक्टर, नगर पालिका उपाध्यक्ष समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और निरीक्षण कर जल्द नाला निर्माण का आश्वासन दिया।

स्थानीय लोगों की मांग

स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि नाले के पुनर्निर्माण और जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान जल्द किया जाए। उनका कहना है कि हर बार नेताओं और अधिकारियों की फोटो खिंचाई से उन्हें कोई राहत नहीं मिलती। यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो अगली बारिश में और भी बड़ा नुकसान हो सकता है। यह जलभराव न केवल एक क्षेत्र की समस्या है, बल्कि शहडोल की शहरी योजना की खामियों को भी उजागर करता है। अब देखना यह है कि प्रशासन वास्तव में समाधान की दिशा में कदम उठाता है या फिर एक बार फिर सब कुछ आश्वासन तक ही सीमित रह जाता है।

खबर संक्षेप

बिजुरी पुलिस ने नाबालिग को 6 घंटे के भीतर दस्तयाब कर किया परिजनों को सुपुर्द

बिजुरी। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती उर रहमान द्वारा नाबालिग गुम बालक बालिका पतारसी में त्वरित कार्यवाही करने के लिए आदेशित किया गया है जिसके अनुपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इसरार मंसूरी व एसडीओपी कोतमा श्रीमती आरती शाक्य के निर्देशन मे थाना प्रभारी बिजुरी विकास सिंह के नेतृत्व मे टीम गठित किया जाकर गुमशुदा अपहत बालक को केनापारा रोड से अपराध कायमी के 06 घंटे के अंदर दस्तयाब कर परिजनो के सुपुर्द किया गया है। 19.07.25 को समनाटोला निवासी पिता द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया कि मेरा नाबालिक लडका जिसकी उम्र 16 वर्ष है। 17.07.25 से अचानक घर से लापता है जिसकी नात रिश्तेदारो मे खोजबीन किये पर पता नही चला। उक्त रिपोर्ट पर थाना बिजुरी मे अप. क्र 224/25 धारा 137(2) बीएनएस का पंजीबद्ध कर टीम गठित की जाकर पता तलाश के प्रयास किया गया एवं गुमशुदा अपहत बालक को अपराध कायमी के 06 घंटे के भीतर दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द किया गया।

सिविल सर्जन ने मरीजों को वितरित किए जाने वाले भोजन का स्वाद चखा

उमरिया। वर्तमान समय में बरसात को दृष्टिगत रखते हुए जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन डा के सी सोनी ने अस्पताल की रसोई का निरीक्षण किया एवं वहां पर बन रहे भोजन का स्वाद चखकर भोजन की गुणवत्ता परखी । उन्होने कहा कि मरीजों को पौष्टिक भोजन वितरित किया जाए इसमे किसी भी प्रकार की लापरवाही नही बरती जाए ।

स्क्रीनिंग शिविर के लिए अधिकारियों, कर्मचारियों की लगाई गई ड्यूटी

उमरिया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. व्ही.एस.चंदेल ने बताया कि 22 जुलाई को पीएम श्री एक्सीलेंस शासकीय रणविजय प्रताप सिंह महाविद्यालय में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता सत्र एवं स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया गया है । शिविर के लिए जिला किशोर स्वास्थ्य समन्वयक बुधराम रहांगडाले, नर्सिंग आफीसर विणा पटेल, किशोर स्वास्थ्य परामर्शदाता वर्षा त्रिपाठी तथा किशोर स्वास्थ्य परामर्शदाता राकेश चौधरी की डियुटी लगाई है । अधिकारियों कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि निर्धारित स्थान पर प्रातः 11 बजे उपस्थित होकर मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता सत्र एवं स्क्रीनिंग करना सुनिश्चित करें।

मानसिक स्वास्थ्य स्क्रीनिंग शिविर

उमरिया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.व्ही.एस.चंदेल ने बताया कि उमंग उच्च शिक्षा हेल्थ एंड वैलनेस कार्यक्रम के तहत 22 जुलाई 2025 को पीएम एक्सीलेंस महाविद्यालय रणविजय प्रताप सिंह उमरिया में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता सत्र एवं स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया जाएगा जिसमें राज्य स्तर से प्रशिक्षित प्रशिक्षक एवं परामर्शदाता नर्सिंग अधिकारी के माध्यम से जागरूकता सत्र एवं स्क्रीनिंग किया जाएगा । प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय द्वारा शिविर में अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं को उपस्थित करने के निर्देश जितेंद्र कुमार नोडल अधिकारी उमंग उच्च शिक्षा हेल्थ एंड वैलनेस कार्यक्रम को दिए है ।

ईओडब्ल्यू करेगी के.के.वेयर हाउस घोटाले की जांच?

कलेक्टर के पाले में आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ ने फेंकी गेंद

हरिभूमि न्यूज, उमरिया।

जिले के बहुचर्चित के के वेयरहाउस घोटाले में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ ने इस करोड़ों के घोटाले की जांच अपने स्तर पर करने के लिए कलेक्टर उमरिया से विभागीय अभिमत मांगा है। यदि कलेक्टर जांच की अनुशंसा करते हैं, तो यह घोटाला सिर्फ जिले में ही नहीं, बल्कि प्रदेश स्तर पर भी सुर्खियों में आ सकता है। यह मामला जिले में शासन की नाक के नीचे किए जा रहे एक सुनियोजित आर्थिक अपराध से जुड़ा है, जिसमें वेयरहाउस संचालक कृष्ण कुमार गुप्ता और नापतौल विभाग के कुछ अधिकारियों की मिलीभगत से शासकीय अनाज वितरण प्रणाली को चूना लगाया गया।

क्या था घोटाले का पूरा मामला?

बताया गया है कि के के वेयरहाउस में दो अलग-अलग डिवाइसेज़ लगाकर धान की तुलाई में हेराफेरी की जा रही थी। इस तकनीकी छेड़छाड़ के जरिए किसानों से मिली धान को मिलरों को भेजते समय और उनसे चावल लेते समय वजन में व्यापक स्तर पर गड़बड़ी की जाती थी। इसकी शिकायतें मिलते ही नापतौल विभाग ने 23 अप्रैल 2024 को इस वेयरहाउस पर छापा मारा था। छापे के दौरान बड़ी मात्रा में अनियमितताएं सामने आईं। दो इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और अन्य रिकॉर्ड जब्त कर लिए गए। तौल में की जा रही हेराफेरी के आधार पर विभाग ने करोड़ों रुपये की हानि का आकलन कर वेयरहाउस संचालक के विरुद्ध रिकवरी निकाली थी।

राजीनामे से रफा-दफा करने की कोशिश

हालांकि, आश्चर्यजनक रूप से इस गंभीर घोटाले को बाद में नापतौल विभाग के तत्कालीन निरीक्षक द्वारा राजीनामा कर शांत करा दिया गया। यह राजीनामा न सिर्फ प्रशासनिक नैतिकता पर प्रश्नचिह्न लगाता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि घोटालों को किस तरह विभागीय मिलीभगत से दफनाया जा सकता है। सूत्रों का कहना है कि संचालक कृष्ण कुमार गुप्ता ने कुछ प्रभावशाली अधिकारियों के साथ मिलकर इस मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया। नापतौल निरीक्षक द्वारा बिना किसी ठोस कार्यवाही के मामले को सुलझा लिया गया।

ईओडब्ल्यू तक पहुंचा भ्रष्टाचार का मामला

लेकिन यह मामला यहीं नहीं रुका। एक जागरूक समाजसेवी ने इस पूरे घोटाले से संबंधित दस्तावेज और जानकारी जुटाकर आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ जबलपुर को शिकायत स्वरूप भेजी। शिकायत में यह आरोप लगाया गया कि न सिर्फ संचालक बल्कि नापतौल विभाग के अधिकारी भी इस घोटाले में बराबर के साझेदार हैं। शिकायत के साथ भेजे गए दस्तावेजों में तौल की गड़बड़ी, रजिस्टर व मेमो की प्रतियां, ईंटे जैसी तकनीकी जानकारी और विभागीय राजीनामे की प्रतियां भी सम्मिलित थीं। इन आधारों पर अब ईओडब्ल्यू ने जांच शुरू करने की पहल की है।

कलेक्टर के निर्णय पर टिकी आगे की कार्रवाई

ईओडब्ल्यू ने अब इस पूरे मामले की जांच की अनुशंसा के लिए कलेक्टर उमरिया को पत्र भेजा है। पत्र में लिखा गया है कि शासन के निर्देशानुसार विभागीय अनुशंसा प्राप्त होने पर ही सामान्य प्रशासन विभाग के माध्यम से यह मामला ईओडब्ल्यू को आधिकारिक रूप से सौंपा जा सकता है। इसका सीधा अर्थ यह है कि अब गेंद कलेक्टर के पाले में है। यदि कलेक्टर अनुशंसा करते हैं तो आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ इस मामले की विधिवत जांच कर सकता है, जिसमें न सिर्फ संचालक कृष्ण कुमार गुप्ता बल्कि राजीनामा करने वाले अधिकारी भी लपेटे में आ सकते हैं।

भ्रष्टाचार के विरुद्ध जनता की मांग

स्थानीय नागरिकों और जागरूक संगठनों की मांग है कि इस मामले को किसी भी हाल में दबाया न जाए और इसकी निष्पक्ष जांच कर दोषियों को सख्त सजा दी जाए। यदि ऐसे मामलों में प्रशासन चुप बैठता है, तो यह जिले में भ्रष्टाचार को खुली छूट देने जैसा होगा।

नजरें टिकी हैं कलेक्टर पर

अब देखना यह होगा कि उमरिया कलेक्टर इस मामले में कितना संजीदगी से कदम उठाते हैं। यदि वे ईओडब्ल्यू को जांच की अनुमति देते हैं, तो यह घोटालेबाजों पर तगड़ा प्रहार साबित हो सकता है। यह मामला सिर्फ एक गोदाम तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके जरिए प्रशासनिक कार्यप्रणाली, जवाबदेही और ईमानदारी पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। क्या घोटालेबाजों को मिलेगी सजा या फिर यह मामला भी बाकी घोटालों की तरह फाइलों में दबा रहेगा, इसका फैसला आने वाले दिनों में हो जाएगा।

बेहतर पर्यावरण देने के लिए पौधरोपण बेहद जरूरी: विधायक

कन्या शिक्षा परिसर में रोपे गये 51 फलदार व छायादार पौधे

उमरिया। एक पेड़ मां के नाम अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया एक महत्वपूर्ण पर्यावरणीय प्रयास है । जिससे लोगो को अपनी मां के सम्मान में पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। यह अभियान पर्यावरण संरक्षण और पारिवारिक मूल्यों को एक साथ जोड़ता है। वृक्ष प्राणवायु प्रदान करते हैं। सभी के लिए पौधारोपण करना और उसे बचाना बेहद जरूरी है।पेड़ ही जीवन है। पेड़ पौधों के बिना जीवन की परिकल्पना भी नहीं की जा सकती है। यदि पेड़ पौधे ना हो तो हम सब सांस नहीं ले सकते हैं इसलिए जीवन के लिए हम सब को पौधारोपण करने का संकल्प लेना चाहिए। उक्त आशय के विचार बांधवगढ़ विधायक शिवनारायण सिंह ने कन्या शिक्षा परिसर उमरिया में 51 फलदार व छायादार पौधे रोपण करते हुए व्यक्त किए । उन्होंने कहा कि पर्यावरण संतुलित रहे , इसके लिए हमें पौध रोपण करना होगा। हरे भरे पेडो की कटाई बंद करनी होगी । आने वाली पीढ़ी को बेहतर पर्यावरण के लिए पौधारोपण करना बहुत जरूरी है। हर कोई अपनी मां के नाम से पौध रोपित करें।इस अभियान ने मां के प्रति अपना स्नेह जताने का समान अवसर दिया है। हर जिम्मेदार नागरिक को पौधारोपण करना चाहिए। क्योंकि जब यही पौधे बडे होकर एक विशाल वृक्ष बनेगे तो उनसे हमें फल फूल एवं औषधियां प्राप्त होगी। एसडीओपी डॉ.नागेंद्र प्रताप सिंह तथा थाना प्रभारी मदनलाल मरावी ने कहा कि मां के नाम पेड़ लगाने से अपनी मां का सम्मान तो होगा ही, साथ ही धरती मां की भी रक्षा होगी। उन्होंने कहा कि आज दुनिया भर में भारतीय संस्कृति का गौरव गान हो रहा है, जिसकी हर देशवासी खुशी मना रहे हैं। प्रकृति के पोषण के लिए धरती माता और मानव जीवन के पोषण के लिए हमारी माताओं के बीच समानता दर्शाते हुए अपनी मां के प्रति प्रेम,आदर और सम्मान के प्रतीक के रूप में एक पेड़ लगाने और धरती माता की रक्षा करने का संकल्प लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम का आयोजन युवा टीम व्दारा किया गया। इस अवसर पर विद्यालय शिक्षक आशुतोष चतुर्वेदी,धीरज पांडे,विनोद गौतम, हिमांशु तिवारी,शिखा बर्मन, वैष्णवी बर्मन,राहुल सिंह व सभी उपस्थित रहे।

प्रभारी प्राचार्य डॉ. नियाज की मनमानी, शिक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

मुख्य उद्देश्य से भटक रहा शासकीय आदर्श महाविद्यालय

उमरिया।

जिले का प्रमुख उच्च शिक्षण संस्थान शासकीय आदर्श महाविद्यालय उमरिया, जो 2017 में स्थापित हुआ था, इन दिनों अपने उद्देश्यों से पूरी तरह भटकता नजर आ रहा है। जहां एक ओर उच्च शिक्षा विभाग छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने की दिशा में प्रयासरत है, वहीं दूसरी ओर यह महाविद्यालय शिक्षकों की मनमानी, लचर प्रशासनिक व्यवस्था और शासन निर्देशों की अनदेखी के कारण लगातार विवादों में बना हुआ है।

छात्र-शिक्षक अनुपात असंतुलित

वर्तमान में महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर साइंस, आर्ट्स और कॉमर्स तीनों संकायों की कक्षाएं संचालित हैं। हर विषय में तीन से लेकर पाँच तक सहायक प्राध्यापक एवं अतिथि विद्वान कार्यरत हैं, लेकिन इनमें से अधिकांश शिक्षक प्रतिदिन केवल एक या दो कक्षाएं ही ले रहे हैं। यूजीसी के नियमानुसार प्रत्येक शिक्षक को सप्ताह में कम से कम 24 घंटे अध्यापन करना चाहिए, लेकिन यहां वास्तविकता इसके ठीक विपरीत है। प्रश्न उठता है कि जब अध्यापन का स्तर ही कमजोर हो, तो छात्र गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की अपेक्षा कैसे कर सकते हैं? सबसे गंभीर बात यह है कि प्रयोगात्मक विषयों में प्रैक्टिकल कार्य महज औपचारिकता बनकर रह गया है, जो अक्सर जनवरी-फरवरी में संपन्न करवा दिया जाता है।

समय सारणी बन रही शिक्षकों की सुविधा अनुसार

सूत्रों के अनुसार महाविद्यालय की समय-सारणी शिक्षकों की सुविधा को ध्यान में रखकर तैयार की जाती है। अधिकांश शिक्षक प्रतिदिन पास के शहरों से अप-डाउन करते हैं और चाहते हैं कि कक्षाएं उसी समय से प्रारंभ हों, जब वे महाविद्यालय पहुंचें। समय-सारणी को महाविद्यालय के मुख्य द्वार पर फ्लेक्स के रूप में प्रदर्शित करने के शासन निर्देशों का भी पालन नहीं हो रहा है। यह भी बताया जा रहा है कि कुछ सीनियर प्रोफेसर उस विषय को पढ़ा रहे हैं, जिसमें उनकी नियुक्ति नहीं हुई है। वे स्वयं को किसी अन्य विषय का सहायक प्राध्यापक बताकर मनचाही जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

'सार्थक' एप का भी हो रहा है मजाक

शासन द्वारा उपस्थिति दर्ज करने के लिए 'सार्थक एप' का उपयोग अनिवार्य किया गया है, लेकिन यहां भी इसका पालन कागजों तक सीमित है। वास्तविक उपस्थिति और अनुपस्थिति के आंकड़े मेल नहीं खाते।

प्रभारी प्राचार्य के स्वेच्छाचार पर सवाल

प्रभारी प्राचार्य डॉ. नियाज अहमद अंसारी की कार्यशैली भी कई विवादों में घिरी हुई है। जब वे अवकाश पर जाते हैं, तो नियमानुसार उन्हें क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा को पूर्व सूचना देना आवश्यक है, लेकिन उन्होंने सहायक प्राध्यापक के रूप में अग्रणी महाविद्यालय के प्राचार्य को मात्र ई-मेल से सूचना भेज दी, जिसे अस्वीकार कर दिया गया। इतना ही नहीं, कलेक्टर एवं जनभागीदारी अध्यक्ष को अवकाश की जानकारी देना भी उन्होंने जरूरी नहीं समझा। जब संस्था का मुखिया ही शासन के आदेशों को ठेंगा दिखाए, तो अधीनस्थ कर्मचारियों से नियमों के पालन की अपेक्षा कैसे की जा सकती है?

बैंक खाता परिचालन ठप, भुगतान रुके

महाविद्यालय के अंशशासकीय मद से संबंधित बैंक खाता एसबीआई उमरिया शाखा में खुला हुआ है, लेकिन फरवरी 2025 में प्राचार्य पदभार ग्रहण करने के बावजूद प्रभारी प्राचार्य डॉ. अंसारी ने कैशबुक का प्रभार नियमित प्राचार्य डॉ. सी.बी. सोदिया को नहीं सौंपा है। इस कारण बैंक खाता संचालन नहीं हो पा रहा है और महाविद्यालय के कई भुगतान लंबित हैं। इससे संस्थान के प्रशासनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं।

जनभागीदारी समिति भी उपेक्षा की शिकार

महाविद्यालय में जनभागीदारी समिति का गठन हो चुका है, परंतु विगत कई महीनों से सामान्य परिषद, प्रबंध समिति एवं वित्त समिति की बैठकें नहीं हो रही हैं। इन बैठकों के माध्यम से ही संस्थान के विकास कार्यों की योजना और क्रियान्वयन सुनिश्चित होता है। बैठकें न होने से न केवल विकास कार्य अटक गए हैं, बल्कि पारदर्शिता और जवाबदेही पर भी प्रश्नचिह्न खड़े हो रहे हैं। शासकीय आदर्श महाविद्यालय उमरिया, जो कभी जिले का मॉडल कॉलेज बनने की दिशा में अग्रसर था, आज शिक्षकों की लापरवाही, प्रशासनिक स्वेच्छाचार और शासन निर्देशों की अनदेखी का केंद्र बन चुका है। यह आवश्यक हो गया है कि उच्च शिक्षा विभाग, कलेक्टर और जनभागीदारी समिति इस संस्थान के कार्यकलापों की सघन जांच कर कठोर कदम उठाएं, ताकि छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और पारदर्शी प्रशासन उपलब्ध हो सके।

नौरोजाबाद में धड़ल्ले से चल रहा अवैध मादक पदार्थ गांजे का व्यापार

छोटा छादा, पीपल चौक और 5 नंबर बना नशे का हब, महिलाएं और युवा भी लिप्त

उमरिया।

जिले का नौरोजाबाद कस्बा इन दिनों अवैध मादक पदार्थों के खुले व्यापार का केंद्र बनता जा रहा है। छोटा छादा, पीपल चौक और 5 नंबर क्षेत्र में गांजा, कफ सिरप और अन्य नशीली दवाओं का व्यापार धड़ल्ले से चल रहा है, जिसकी भनक न केवल आमजन को है, बल्कि पुलिस तक भी यह जानकारी पहुँची हुई है, बावजूद इसके किसी ठोस कार्रवाई का अभाव खटकता है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार गुड्डन नामक व्यक्ति हर दिन सुबह 5 बजे से शाम 5 बजे तक गांजा बेचने का कार्य कर रहा है। दिलचस्प बात यह है कि उसके ग्राहकों की भीड़ सुबह होते ही घर के बाहर जुट जाती है और कोई 20 रुपये की पुडिया लेने आता है, तो कोई 100 रुपये की। गांजा बिक्री की यह प्रक्रिया पूरी तरह सुनियोजित है। ग्राहक 5 से 6 फीट ऊंची दीवार के एक ओर से आवाज लगाते हैं, उधर से 'भाईजान' हाथ ऊपर उठाकर पैसा लेते हैं और उसी हाथ में गांजा की पुडिया सौंप देते हैं। इस व्यवस्था में कोई किसी का चेहरा नहीं देख पाता, जिससे यह कार्य पूरी तरह गोपनीय और पुलिस की गिरफ्त से बाहर बना रहता है।

फोन पर होती है डिलीवरी, महिलाएं भी शामिल

चौंकाने वाली बात यह है कि इस अवैध व्यापार में महिलाएं भी सक्रिय रूप से शामिल हैं। कुछ महिलाएं अपने घरों से ही गांजे की दुकानों का संचालन कर रही हैं। वहीं कुछ युवा, मोबाइल फोन के माध्यम से ऑर्डर लेकर कफ सिरप, टेबलेट, नशीली दवाइयां और गांजा की डिलीवरी कर रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नौरोजाबाद में यह गोरखधंधा कोई नया नहीं है। वर्षों से यह कारोबार जड़ें जमा चुका है और अब तो युवा पीढ़ी भी इसमें शामिल हो चुकी है। कई छात्र व नवयुवक खुद नशे के आदी बनते जा रहे हैं और उसी की पूर्ति हेतु इस व्यापार में सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं।

नशा मुक्ति अभियान दिखावे तक सीमित?

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिले में नशा मुक्ति अभियान चलाया जा रहा है, लेकिन वर्तमान स्थिति देखी जाए तो यह अभियान कागजों और पोस्टरों तक ही सीमित नजर आता है। छोटे-बड़े स्तर पर छिटपुट कार्यवाहियां की जाती रही हैं, लेकिन नौरोजाबाद जैसे इलाकों में कोई बड़ी कार्रवाई नहीं हुई है जिससे लोगों में डर पैदा हो। जनता की मांग है कि उमरिया एसपी तत्काल संज्ञान लेकर नौरोजाबाद में नशे के खिलाफ एक विशेष अभियान चलाएं। छोटे क्षेत्रों जैसे छोटा छादा, पीपल चौक और 5 नंबर में टास्क फोर्स गठित कर, चिन्हित तस्करों के घरों पर दबिश दी जाए।

युवा पीढ़ी को बचाना अब चुनौती

एक समय था जब नौरोजाबाद के युवा शैक्षणिक उपलब्धियों में जिले का नाम रोशन करते थे, लेकिन अब नशे की गिरफ्त में आकर अपराध की राह पर बढ़ते जा रहे हैं। नशे की लत के कारण ही चोरी, झपटमारी, हिंसा जैसे अपराधों में वृद्धि हो रही है, जिससे समाज में असुरक्षा की भावना बढ़ी है। समय रहते यदि प्रशासन, पुलिस और समाजसेवी संस्थाएं एकजुट होकर नशे के खिलाफ कड़ा मोर्चा नहीं खोलतीं, तो आने वाले समय में नौरोजाबाद अपराधियों की नर्सरी बन सकता है। जरूरत है कि नशे के इन ठिकानों को चिन्हित कर तत्काल प्रभाव से तोडफ़ोड़, गिरफ्तारी और कानूनी शिकंजा कसा जाए, ताकि जिले में शांति, सुरक्षा और स्वस्थ समाज की नींव मजबूत हो सके।

मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक की जन आरोग्य समिति की बैठक संपन्न

उमरिया। मुख्यमंत्री संजीवनी सिंगलटोला की जनअरोग्य समिति की प्रथम समीक्षा बैठक समिति के अध्यक्ष अमृतलाल यादव की अध्यक्षता में तथा संस्था के सचिव डॉ.अनिल गुप्ता, उपसचिव डॉ प्रियंका गुप्ता, समिति के नोडल अधिकारी डॉ.एस.बी.चौधरी जिला स्वास्थ्य अधिकारी, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ.ऋचा गुप्ता, जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ.मुकुल तिवारी अन्य सदस्यगण तथा संस्थान के समस्त स्टॉफ की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। बैठक में क्लीनिक पर मानव संसाधन की आवश्यकता, आवश्यक उपकरण तथा संस्थान में आने वाले मरीजों की जाँच और समूचित उपचार की सुविधा मुहैया कराने, गर्भवती महिलाओं की जाँच, पंजीयन और उपचार के साथ साथ उनको गर्भ के दौरान टीकाकरण, बच्चों का टीकाकरण, सिकल सेल स्क्रीनिंग, मलेरिया जाँच, टीबी जाँच आदि पर विस्तृत चर्चा हुई तथा समिति द्वारा सुझाव दिया गया की संजीवीनी क्लीनिक के बाहर बाउंड्रीवाल का निर्माण कराये जाने हेतु शासन को प्रस्ताव भेजा जाए जिससे भवन और मानव संसाधन की सुरक्षा रहे।

खबर संक्षेप

शासकीय वन भूमि पर जुताई कर रहे वाहनों को किया गया जब्त

उमरिया। वन परिक्षेत्र मानपुर के अंतर्गत बीट सेमरा, कम्पार्टमेंट क्रमांक पीएफ-387 की शासकीय वन भूमि पर अतिक्रमण कर जुताई की जा रही थी। फील्ड डायरेक्टर बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के निर्देशन तथा उपसंचालक व उपमंडलाधिकारी मानपुर के निर्देशन में, वन परिक्षेत्र अधिकारी मानपुर द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए मौके पर उपस्थित दो ट्रैक्टर कैल्टिवेटर सहित जब्त किए गए। जिन वाहनों को जप्त किया गया है उनमें एमपी 06 एए 8014 (आईसर) है । चालक का नाम उपेंद्र सिंह है । इसी तरह वाहन क्रमांक एमपी 06 एसी 2538 (जॉन डियर) है । चालक का नाम पुरा सिंह है। उक्त अतिक्रमण राकेश पिता स्व. श्री श्यामलाल नामदेव ग्राम सिगुड़ी उम्र 45 वर्ष द्वारा करवाया जा रहा था। वन विभाग द्वारा आगे की विधिसम्मत कार्यवाही प्रचलन में है।

शासकीय भूमि पर रसूखदार नेता की नजर

उमरिया। नगर पालिका परिषद क्षेत्र अंतर्गत शारदा कॉलोनी वार्ड में स्थित शासकीय नजूल भूमि पर एक रसूखदार भगवाधारी नेता की नजर गड़ गई है। जानकारी के अनुसार, पुराना बस स्टैंड से सुभाषगंज वार्ड की ओर जाने वाली मुख्य सडक के किनारे स्थित उक्त भूमि पर अतिक्रमण की मंशा से ईंटें डंप कर दी गई हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह भूमि नजूल की है और वहीं एक नाला भी है, जिससे शहर का पानी बहता है। सूत्रों के मुताबिक, यह तथाकथित नेता हाल ही में संपन्न हुए भाजपा जिलाध्यक्ष चुनाव में दावेदार था। पार्टी का झंडा थामने वाले कुछ नेताओं की यह कार्यशैली आमजन के साथ-साथ भाजपा की छवि को भी आघात पहुंचा रही है। बताया जा रहा है कि उक्त नेता द्वारा मौका पाकर रातोरात निर्माण कार्य शुरू करने की योजना बनाई जा रही है। ईंटों को रखने की हरकत को वार्डवासी साफ तौर पर अतिक्रमण की तैयारी मान रहे हैं। स्थानीय नागरिकों में इस बात को लेकर रोष है कि जनसेवा की आड़ में ऐसे लोग पार्टी के नाम का इस्तेमाल कर निजी स्वार्थों की पूर्ति में लगे हुए हैं। वार्डवासियों की मांग है कि प्रशासन जल्द हस्तक्षेप कर शासकीय भूमि पर रखी गई ईंटों को हटवाए, ताकि कोई भी अवैध निर्माण कार्य शुरू न हो सके। प्रशासनिक हस्तक्षेप न होने की स्थिति में आम जनता का विश्वास शासन-प्रशासन से डगमगाने लगता है। ऐसे में जिम्मेदार अधिकारियों की यह नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि वे न सिर्फ अतिक्रमण को रोके, बल्कि दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी सुनिश्चित करें। वार्डवासियों ने चेताया है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो वे व्यापक जन आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। अब देखना यह होगा कि प्रशासन रसूखदार नेता के दबाव में आता है या कानून और न्याय का पालन करते हुए अतिक्रमण पर सख्त रुख अपनाता है।

अब आकाशवाणी पर गूंजेगी हाथियों की चाल

शहडोल। जिले के दक्षिण वनमंडल अंतर्गत बुढ़ार रेंज की हरदी बीट और उसके आसपास के गांवों में हाथियों का आतंक लगातार गहराता जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में हाथियों द्वारा हो रही तबाही से चिंतित वन विभाग ने अब एक अनूठी पहल करते हुए आकाशवाणी के माध्यम से हाथियों की गतिविधियों की जानकारी प्रसारित करने का निर्णय लिया है। इसका उद्देश्य है, लोगों को समय रहते सतर्क करना और जान-माल की क्षति को रोकना। दक्षिण वन मंडलाधिकारी सुश्री श्रद्धा पन्द्रे ने इस योजना की जानकारी देते हुए बताया कि क्षेत्रीय आकाशवाणी केंद्र से समन्वय स्थापित कर हाथियों के मूवमेंट, दिशा और संभावित खतरों की जानकारी रेडियो प्रसारण के जरिए ग्रामीणों तक पहुंचाई जाएगी।

गांवों में फैला डर का माहौल

हरदी बीट में बीते कुछ दिनों में चार हाथियों का दल प्रवेश कर चुका है, जिसने सारंगपुर, शिल्पारी, कठई, कोल्हारू टोला, हरदी और कोदावल जैसे गांवों में तबाही मचाई है। कई मकान क्षतिग्रस्त हो चुके हैं, फसलें रौंदी जा चुकी हैं और लोग अपने घर छोडकर सुरक्षित स्थानों की तलाश में भटकने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का कहना है कि हाथियों का खतरा इतना बढ़ गया है कि वे अब रात-रात भर रतजगा कर रहे हैं। मसाल, डंडा और लाठी लेकर पहरा देना उनकी मजबूरी बन चुकी है। डर का आलम यह है कि शाम ढलते ही लोग अपने घरों में बंद हो जाते हैं।

हाई स्कूल सेहारा से प्राचार्य सहित गायब मिले 4 शिक्षक

ब्यौहारी

जनपद पंचायत ब्यौहारी के अंतर्गत बुढ़वा संकुल के अंतर्गत शासकीय हाई स्कूल सेहारा जहां पर 7 शिक्षकों का स्टाफ है हमारे संवाददाता स्वयं जब 10:20 में पहुंचे तो अधिकांश टीचर एवं प्राचार्य गायब मिले जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि ग्रामीण क्षेत्र की स्कूल किस तरह से चल रही जबकि शिक्षकों को स्कूल 10 पहुंच बजे पहुंचने का नियम 10:30 बजे से प्रार्थना शुरू हो जानी चाहिए सबसे पहले स्कूल पहुंचते हैं ओंकार तिवारी - हमारे संवाददाता ने सबसे पहले स्कूल पहुंचने वाले शिक्षक ओंकार तिवारी से बात की तो उन्होंने बताया कि मैं प्रतिदिन निर्धारित टाइम से स्कूल पहुंचता हूं और 3.0 एप में हाजिरी भी लगता हूं उन्होंने अपनी हाजिरी भी दिखाई जिसमें 10:15 का समय दिखा इसके अलावा गोरेलाल खैरवार शिक्षक भी समय पर पहुंच गए और प्रार्थना में शामिल हुए स्कूल के अभिभावकों ने बताया कि प्राचार्य नरेंद्र तिवारी कभी समय पर स्कूल नहीं आते हमेशा 12:00 बजे स्कूल पहुंचते हैं सड़क के किनारे स्थित स्कूल का जब यह हाल है तो दूर दराज की स्कूलों का क्या हाल होगा इसके अलावा अन्य शिक्षकों में आशीष कुमार खैरवार ,नेहा पटेल भी गायब मिली , अतिथि शिक्षक शैलेंद्र सिंह एवं लालमणि प्रजापति भी स्कूल से गायब रहे विद्यालय में कंप्यूटर का संचालन करने वाले नागेंद्र वैश भी स्कूल में निर्धारित समय पर उपस्थित नहीं हुये स्कूल में छात्र संख्या भी कम पाई गई जानकारी लेने पर स्कूल में 100छात्र संख्या दर्ज है लेकिन प्रार्थना के समय 20 छात्र-छात्राएं ही स्कूल पहुंच सके जाहिर सी बात है कि जिस विद्यालय के पांच-पांच शिक्षक अनुपस्थित रहते हैं वहां कैसी पढ़ाई होती होगी एक छात्र ने बताया कि इंग्लिश विषय की पढ़ाई भी नहीं हो रही इसीलिए शिक्षक की ई अटेंडेंस का विरोध करते हैं लेकिन आज भी जो ईमानदार शिक्षक हैं वह अपनी इच्छा से उपस्थित मध्य प्रदेश शासन के एप में दर्ज कराते हैं और सही ढंग से बच्चों को पढ़ाते भी है अब मध्य प्रदेश सरकार को चाहिए कि जो शिक्षक अपनी ऑनलाइन हाजिरी नहीं लगा रहे हैं उनका वेतन रोका जाए अब प्रदेश में 5G नेटवर्क उपलब्ध रहता है इसलिए सभी के लिए ऑनलाइन हाजिरी अनिवार्य की जाए क्षेत्र के लोगों ने प्राचार्य नरेंद्र तिवारी एवं अनुपस्थित शिक्षकों के खिलाफ कलेक्टर से कार्रवाई की मांग की है ।

सिद्धार्थ पब्लिक स्कूल के संचालक ने लगाया बदनाम करने का आरोप

ब्यौहारी। जनपद पंचायत ब्यौहारी के अंतर्गत ग्राम पंचायत कुम्हिया में संचालित सिद्धार्थ पब्लिक स्कूल के संचालक शिव प्रसाद कुशवाहा ने अंशु भारती स्कूल के संचालक उमेश कुशवाहा के ऊपर बदनाम करने का आरोप लगाया उन्होंने कहा कि जब से हमने स्कूल खोला है तब से स्कूल की झूठी शिकायत करते रहते हैं और मैंने उनको सारा हिसाब दे दिया उनका रिकॉर्ड दे दिया फिर भी बकाया बताते हैं क्योंकि उन्होंने कभी रिसीविंग नहीं दिया मेरे बच्चे को स्कूल से भगा दिया मेरे बच्चे की टीसी भी नहीं दे रहे हैं इसी तरह से कई बच्चों का भविष्य बर्बाद होने के कगार पर है । यह बात शिव प्रसाद कुशवाहा ने कही जो पहले अंशु भारती विद्यालय में प्रधानाचार्य के पद पर काम कर रहे थे और उन्होंने स्कूल छोड़कर अपनी खुद की सिद्धार्थ पब्लिक स्कूल खोल ली उनका कहना है कि स्कूल खोलने के कारण जलन बस पूर्व स्कूल संचालक उमेश कुशवाहा मनगढ़ंत आरोप लगा रहे हैं और उन्होंने उमेश कुशवाहा के खिलाफ शासन प्रशासन से कार्रवाई करने की मांग की है इस संबंध में हमारे संवाददाता ने अंशु भारती स्कूल के संचालक उमेश कुशवाहा से भी बात की तो उन्होंने कहा कि शिव प्रसाद के बच्चे की फीस बकाया है फीस दे दे और अपने बच्चे की टीसी ले जाए उनके द्वारा कोई झूठी शिकायत नहीं करवाई जा रही है ।

रॉयल राजपूत संगठन महिला इकाई, शहडोल द्वारा वृक्षारोपण एवं वृद्धाश्रम सेवा कार्यक्रम

शहडोल।

रविवार को रायल राजपूत संगठन महिला इकाई, शहडोल द्वारा आज कल्याणपुर स्थित वृद्धाश्रम में सेवा और समर्पण से भरपूर एक वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर महिला इकाई की सदस्यों ने आश्रम परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा वहां निवासरत वृद्धजनों से मिलकर

और उनके साथ आत्मीय क्षण साझा किए, जिससे सभी के चेहरे पर मुस्कान देखने को मिली। इस पुनीत कार्य में रॉयल राजपूत संगठन महिला इकाई, शहडोल की जिला अध्यक्ष श्रीमती रेखा सिंह सोमवंशी, श्रीमती सीमा सिंह ,रेखा सिंह चंदेल, शिखा सिंह, निधि सिंह, वंदना सिंह सोमवंशी, रेखा सिंह बघेल, इंदु सिंह,ज्योत्सना सिंह,वंदना सिंह बघेल,सुनीता सिंह,अनुश्री सिंह,अनन्या सिंह,पद्मा सिंह,सुषमा सिंह,नीता सिंह,शिवानी सिंह चौहान तथा अन्य कई सदस्याएं उपस्थित रहीं, जिन्होंने सक्रिय भागीदारी निभाकर कार्यक्रम को सफल बनाया। रांयल राजपूत संगठन महिला इकाई का यह कार्य निश्चित रूप से समाज के लिए प्रेरणास्रोत है, जो सेवा, सम्मान और संस्कारों की परंपरा को मजबूती से आगे बढ़ा रहा है।

उनका आशीर्वाद ग्रहण किया। महिला इकाई की ओर से यह प्रयास न केवल पर्यावरण के प्रति जागरूकता का परिचायक रहा, बल्कि समाज के बुजुर्गों के प्रति सम्मान और सेवा भावना का जीवंत उदाहरण भी बना। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने वृद्धजनों से संवाद कर उनके अनुभवों को जाना

विद्यालय के शैक्षणिक भवन के नवीनीकरण कार्य का उद्घाटन

बिरसिंहपुर पाली

केन्द्रीय विद्यालय एस ई सी एल नौरोजाबाद के शैक्षणिक भवन के नवीनीकरण कार्य का उद्घाटन श्री कैलाश चंद्र साहू, महाप्रबंधक एस ई सी एल जोहिला क्षेत्र नौरोजाबाद के करकमलों द्वारा सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में श्री निदानापु आर प्रसाद, एपीएम जोहिला क्षेत्र नौरोजाबाद, श्री सुरेन्द्र बंजारे, एरिया वित्त प्रबंधक एस ई सी एल जोहिला क्षेत्र नौरोजाबाद, श्री प्रवीण कुमार स्टाफ ऑफिसर सिविल, श्री निशांत बुलकुंदे, वरिष्ठ प्रबंधक एस ई सी एल जोहिला क्षेत्र नौरोजाबाद उपस्थित रहे। इस अवसर पर विद्यालय में सत्र 2025-26 के लिए गठित विद्यार्थी परिषद का शपथ ग्रहण एवं अलंकरण समारोह भी आयोजित किया गया। महाप्रबंधक महोदय ने विद्यार्थी एवं सदन परिषद के सभी सदस्यों को पद व कर्तव्यनिष्ठा की शपथ ग्रहण करवाई। तत्पश्चात आयोजित विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में विद्यालय भवन के सौंदर्यीकरण, सुरक्षा, बच्चों के खेलकूद व मनोरंजन की सुविधाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। विद्यालय के प्राचार्य श्री संतोष कुमार द्विवेदी ने बैठक के दौरान विशेष रूप से यह कहा कि विद्यालय के चेयरमैन श्री कैलाश चंद्र साहू के मार्गदर्शन में हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयां छू रहा है। चाहे बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट परिणाम हो या खेल-कूद और सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन हर उपलब्धि में चेयरमैन कैलाश चंद्र साहू जी का अथक परिश्रम और दूरदर्शिता है। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा संचालित कार्यक्रमों बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मकता, निपुण भारत एवं रूपांतर की भी बैठक में उपस्थित सदस्यों द्वारा प्रशंसा की गई। मीटिंग में एस ई सी एल द्वारा करवाए गए प्रमुख कार्यों जिसमें विद्यालय भवन की रंगाई-पुताई, विद्यालय प्रवेशद्वार का पुनर्निर्माण, कक्षाओं की खिड़कियों में जालियों का प्रतिस्थापन, बरामदे में टाइलिंग, मंच का विस्तारीकरण, प्रार्थना सभा स्थल में कोटा फर्श, आदि की सराहना की गई।बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने एक स्वर में चेयरमैन श्री कैलाश चंद्र साहू महाप्रबंधक जोहिला क्षेत्र की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनकी सक्रिय भूमिका के कारण ही विद्यालय का वातावरण, अधोसंरचना और शैक्षणिक माहौल आज इस मुकाम पर पहुंचा है। विद्यालय परिवार और अभिभावक समुदाय ने भी उनके प्रयासों की सराहना की। बैठक में श्री आर के झा, प्राचार्य गवर्नमेंट कॉलेज पाली, श्री कपिल देव संत, शाखा प्रबंधक एस बी आई नौरोजाबाद, श्री वंशपति पटेल, श्री लखन लाल अहाके उपस्थित थे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के समस्त शिक्षकों का सराहनीय योगदान रहा।

मानवता की मिसालः रक्तवीर सिल्लू रजक ने गर्भवती महिला की जान बचाई

शहडोल ।

'रक्तदान महादान है'— इस वाक्य को साकार करते हुए श्री राम रक्तदान समिति शहडोल के सक्रिय सदस्य सिल्लू रजक ने एक गर्भवती महिला की जान बचाकर मानवता की अनूठी मिसाल पेश की है। यह सराहनीय घटना जिला चिकित्सालय शहडोल में शनिवार को उस समय घटी, जब डिलीवरी के दौरान एक महिला की हालत अचानक गंभीर हो गई और डॉक्टरों ने तत्काल बी पॉजिटिव रक्त की आवश्यकता बताई। स्थिति नाजुक थी, लेकिन दुर्भाग्यवश शहडोल ब्लड बैंक में उस समय आवश्यक ब्लड ग्रुप उपलब्ध नहीं था। महिला की तबीयत तेजी से बिगड़ रही थी और उसके परिजन बदहवासी में इधर-उधर मदद के लिए दौड़ रहे थे। संकट की इस घड़ी में श्री राम रक्तदान समिति को सूचना दी गई, जिसके बाद समिति के संयोजक और सदस्यों ने तत्काल सक्रियता दिखाते हुए रक्तदाता की खोज शुरू कर दी। कुछ ही देर में समिति के सक्रिय सदस्य सिल्लू रजक ने स्वयं आगे आकर बी पॉजिटिव रक्तदान करने की सहमति दी और तुरंत ब्लड बैंक पहुंचकर रक्तदान किया। उनके इस त्वरित और निःस्वार्थ कदम के चलते महिला को समय पर रक्त मिल सका, जिससे उसकी जान बचाई जा सकी। डॉक्टरों ने भी माना कि यदि रक्त समय पर न मिलता, तो महिला की स्थिति अत्यंत गंभीर हो सकती थी। फिलहाल महिला की हालत स्थिर बताई जा रही है और वह चिकित्सकों की देखरेख में है। श्री राम रक्तदान समिति के संयोजक ने बताया कि समिति का उद्देश्य सिर्फ रक्त उपलब्ध कराना नहीं है, बल्कि जरूरतमंदों तक समय पर सहायता पहुंचाना है। उन्होंने कहा, 'सिल्लू ' का यह कार्य न केवल प्रशंसनीय है, बल्कि युवा पीढ़ी के लिए एक प्रेरणा भी है। महिला के परिजनों ने भावुक होकर सिल्लू रजक और समिति का आभार व्यक्त किया। महिला के पति ने कहा, हमारी सारी उम्मीदें खत्म हो गई थीं, लेकिन सिल्लू जी हमारे लिए फरिश्ते बनकर आए। हम जीवन भर उनके ऋणी रहेंगे। इस घटना ने न सिर्फ रक्तदान के महत्व को रेखांकित किया है, बल्कि यह भी साबित किया कि जब समाज में ऐसे समर्पित रक्तवीर हों, तो कोई भी जीवन समय पर सहायता से बचाया जा सकता है।

बस कंडक्टर का सोन नदी में झाड़ियों में मिला शव

शहडोल। जिले के पपौंध थाना क्षेत्र अंतर्गत विजय सोता रेलवे स्टेशन के समीप शनिवार को उस समय हडकंप मच गया, जब सोन नदी में झाडियों के बीच एक व्यक्ति का शव फंसा हुआ मिला। मौके पर मछली पकडने गए मछुआरों ने शव को देखकर तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकाल कर जब पहचान करवाई, तो शव की पहचान ग्राम सपटा निवासी अभिषेक मिश्रा (उर्फ अन्नू), उम्र 42 वर्ष के रूप में हुई, जो 13 जुलाई से लापता थे। पुलिस ने बताया कि अभिषेक मिश्रा पेशे से बस कंडक्टर थे और बीते कई दिनों से उनके परिजन उन्हें तलाश रहे थे। शुक्रवार को उनके लापता होने की औपचारिक शिकायत थाने में दर्ज करवाई गई थी। शनिवार दोपहर जब उनका शव गांव से करीब छह किलोमीटर दूर सोन नदी के किनारे झाडियों में फंसा मिला, तो परिजनों में कोहराम मच गया। घटनास्थल के आसपास ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई। बताया जा रहा है कि जहां शव मिला है, उसी इलाके के पास मृतक का ससुराल भी स्थित है, जिससे कई तरह के सवाल भी उठ रहे हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है और मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को आत्महत्या की आशंक- थाना प्रभारी बृजेंद्र मिश्रा ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में यह बात सामने आई है कि अभिषेक मिश्रा ने संभवतः नदी में छलांग लगाकर आत्महत्या की होगी, लेकिन फिलहाल कोई स्पष्ट निष्कर्ष नहीं निकाला गया है। पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है, साथ ही पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। अभिषेक मिश्रा की अचानक और रहस्यमयी मौत से ग्राम सपटा में शोक और सनसनी का माहौल है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने बताया कि अभिषेक स्वभाव से शांत और जिम्मेदार व्यक्ति थे, उन्होंने किसी भी प्रकार की पारिवारिक या व्यक्तिगत परेशानी की जानकारी नहीं दी थी। परिजन यह मानने को तैयार नहीं हैं कि अभिषेक ने आत्महत्या जैसा कदम उठाया होगा। इसलिए कई लोगों ने आशंका जताई है कि मामला आत्महत्या नहीं बल्कि कुछ और हो सकता है। यही कारण है कि पुलिस इस केस में हर संभावित एंगल पर जांच कर रही है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुलेगा राज- पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शव की स्थिति देखकर प्रतीत होता है कि यह दो से तीन दिन पुराना हो सकता है। यही वजह है कि शरीर में सूजन और पानी से गलन के लक्षण दिखाई दे रहे हैं। पुलिस द्वारा पोस्टमार्टम कराए जाने के बाद ही मृत्यु के सही कारणों का पता चल पाएगा। पुलिस और प्रशासन की ओर से मीडिया और आम जनता से अपील की गई है कि घटना को लेकर बिना पुष्टि के किसी भी प्रकार की अफवाह ना फैलाएं। यह एक संवेदनशील मामला है, जिसमें मृतक के परिवार की भावनाएं जुड़ी हुई हैं।

ट्रक ड्राइवर की सुझबूझ से बचीं 50 से अधिक कांवड़ियों की जान

पतखई घाट पर ब्रेक फेल हुई बस, ट्रक से टकराकर रुकी सभी यात्री सुरक्षित, समाजसेवियों और पुलिस ने निभाई जिम्मेदारी

शहडोल। जिले के सिंहपुर थाना क्षेत्र स्थित पतखई घाट पर शनिवार को एक बड़ी दुर्घटना टल गई, जब कांवड़ यात्रियों से भरी बस का अचानक ब्रेक फेल हो गया। यह हादसा उस समय टला जब विपरीत दिशा से आ रहे एक साहसी ट्रक चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए अपना ट्रक बस के सामने खड़ा कर दिया, जिससे बस ट्रक से टकराकर रुक गई और गहरी खाई में गिरने से बच गई। इस साहसिक निर्णय से बस में सवार 50 से अधिक महिला, पुरुष और बच्चों की जान बच गई। सभी यात्री सुरक्षित हैं, बस के अगले हिस्से को कुछ क्षति पहुंची है लेकिन कोई जनहानि नहीं हुई, जिसे ईश्वर की कृपा और ट्रक चालक की बहादुरी का प्रतिफल माना जा रहा है।

रायपुर से मैहर जा रही थी कांवड़ यात्रियों की बस

घटना में शामिल बस छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से मैहर (मध्यप्रदेश) जा रही थी, जिसमें 50 से अधिक कांवड़ यात्री सवार थे। जैसे ही बस पतखई घाट पर पहुंची, उसका ब्रेक फेल हो गया और वह अनियंत्रित होकर घाटी की ओर तेजी से लुढक़ने लगी। यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई, कई लोगों ने चीख-पुकार शुरू कर दी, तभी सामने से आ रहे एक ट्रक चालक ने बड़ा फैसला लेते हुए अपनी जान की परवाह किए बिना ट्रक को बस

के सामने खड़ा कर दिया। इस टक्कर से बस रुक गई और एक बड़ा हादसा टल गया।

थाना प्रभारी और समाजसेवियों ने संभाला मोर्चा

हादसे की सूचना मिलते ही सिंहपुर थाना प्रभारी मुन्ना लाल राहंगडाले अपनी टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया और थाने लाकर खाने-पीने एवं आराम की व्यवस्था करवाई गई। इस दौरान स्थानीय समाजसेवी शिव नारायण द्विवेदी ने प्रशासन का सहयोग करते हुए यात्रियों की सेवा में सक्रिय योगदान दिया। उनकी देखरेख और मदद से स्थिति जल्दी सामान्य हो गई। बस की मरम्मत करवाई गई और सभी यात्रियों को पुनः उनके गंतव्य मैहर के लिए रवाना किया गया।

बहादुर ट्रक चालक बना हीरो

जिस ट्रक चालक ने साहस दिखाकर दर्जनों लोगों की जान बचाई, उसकी बहादुरी की पूरे इलाके में प्रशंसा हो रही है। हालांकि उसका नाम अब तक सार्वजनिक नहीं हो पाया है, लेकिन लोगों ने उसे 'सचमुच का हीरो' बताते हुए उसके प्रति आभार प्रकट किया है। यात्रियों और ग्रामीणों ने कहा कि अगर वह ट्रक वहां समय पर नहीं होता, तो बस निश्चित ही गहरी खाई में गिर सकती थी, जिससे बड़ा जानी नुकसान हो सकता था। यह पूरी घटना मानवता, साहस और त्वरित निर्णय की मिसाल बन गई है। ट्रक चालक की सतर्कता, पुलिस प्रशासन की तत्परता और समाजसेवियों के सहयोग ने मिलकर एक बड़ी त्रासदी को टाल दिया। यात्रियों ने कहा कि यह सिर्फ ट्रक चालक की बहादुरी ही नहीं बल्कि ईश्वर की कृपा और सामूहिक इंसानी प्रयासों का परिणाम है कि सभी लोग सकुशल हैं।

खबर संक्षेप

किसानों को खाद की किल्लत से नहीं मिल रही निजात

राजेन्द्रग्राम। जनपद छेत्र के किसी भी सहकारी समितियों में खाद नहीं मिल पा रहा है किसन सहकारी समितियों के चक्कर काट रहे हैं। किसानों को धान रोपाई के लिए खेतों में डालने के लिए डीएपी खाद की जरूरत है लेकिन खाद नहीं मिल पा रही है बाजार में महंगे दरों में खाद मिल रही है। किसानों को सरकार द्वारा बिना ब्याज के खाद, बीज एवं पैसे कर्ज में दिया जाता है। जिसका कागज लिखने के लिए सहकारी समिति भेजरी में पदस्थ प्रबन्धक सत्य नारायण पाण्डेय द्वारा किसानों से दो सौ रुपए लिया जाता है ऐसा किसानों ने बताया है। किसानों का कर्ज तो बना दिया गया है लेकिन आज तक ना पैसा किसानों के खाते में डाला गया। न ही खाद मिल पा रही है किसानों की पीड़ा ना तो प्रशासन समझ रही है ना ही जनप्रतिनिधि धान के रोपाई का समय निकलता जा रहा है किसान हर रोज सहकारी समितियों और खाद गोदाम में आकर बैठे रहते हैं खाद नहीं मिल पा रही है सिर्फ तारीख पर तारीख मिल रही है।

महिला ने खाया धतूरा का फल, तबियत बिगड़ी

डिण्डौरी। शाहपुर थाना अंतर्गत एक महिला ने शनिवार की सुबह पति से मामूली बात पर विवाद होने से गुस्सा में आकर धतूरा के फल का सेवन कर लिया । तबियत बिगड़ने पर परिजनो ने जिला चिकित्सालय में लाकर उपचार के लिए भर्ती कराया है जहां उपचार जारी है। अस्पताल चैकी पुलिस को दिये कथन में महिला ने बतलाया कि पति मजदूरी का काम करता है शनिवार सुबह वह मजदूरी करने जाने के लिए तैयार हुआ था और भोजन करने के लिए मांग कर रहा था लेकिन भोजन तैयार नही हुआ था । मेरे द्वारा कुछ देर में भोजन तैयार होने की बात कही गई, इसी बात से नाराज होकर गाली गलौच देते हुए घर से पति चला गया । महिला ने बतलाया कि पति मामूली बात पर नाराज होकर गाली गलौच करने लगता है आये दिन मामूली बात को लेकर होने वाले विवाद के तंग आकर शनिवार सुबह 9 बजे घर पर रखे धतूरा के तीन फलो का सेवन कर लिया, कुछ देर बाद तबियत बिगड़ने पर अपने पुत्र को घटना के संबंध में बतलाया जिसके बाद मेरे पुत्र ने पडोंसियों को इस सबंध में बतलाते हुए 108 एम्बूलेंस वाहन से जिला चिकित्सालय में लाकर उपचार के लिए भर्ती कराया है।

ट्रांसफार्मर बदलने में विभाग की घोर लापरवाही

डिंडोरी (करंजिया)। गोपालपुर ग्राम पंचायत के कुट्ठर टोला के ग्रामीण बीते तीन महीने से बिजली के बिना जीवन जीने को मजबूर हैं। मार्च माह में गांव का ट्रांसफार्मर खराब हुआ था, जिसकी सूचना तत्काल बिजली विभाग को दी गई थी, लेकिन आज तक न तो ट्रांसफार्मर बदला गया और न ही कोई वैकल्पिक व्यवस्था की गई। हैरत की बात यह है कि बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप होने के बावजूद विभाग हर महीने नियमित रूप से बिल भेज रहा है। कुट्ठर टोला मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ सीमा पर बसा एक प्रमुख टोला है, जहां बिजली न होने से ग्रामीणों की दिनचर्या पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गई है। रात में अंधेरे के कारण जंगली जानवरों और जहरीले कीड़ों का खतरा बढ़ गया है।

निर्माण के दो वर्ष बाद भी खूंटाटोला उप केन्द से नहीं दौड़ रही बिजली

इंतेहां हो गई...इंतजार की...

विद्युत विभाग की लापरवाही का दंश झेल रही जनता, वेंकट नगर लाइन से चल रही सप्लाई

करोड़ों रुपए खर्च कर बना खूंटाटोला उपकेन्द्र आज भी बंद

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

अनूपपुर विधानसभा क्षेत्र के वर्तमान विधायक एवं पूर्व खाद्य नागरिक आपूर्ति मंत्री बिसाहू लाल सिंह द्वारा 27 फरवरी 2020 को करोड़ों रुपए की लागत से खूंटाटोला मे 33/11 केवी विद्युत उपकेन्द्र का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया गया था। यह उपकेन्द्र विभाग द्वारा 2 वर्ष पूर्व ही निर्माण पूर्ण कर लिया गया, लेकिन हैरानी की बात है कि आज तक यह चालू नहीं किया गया है।

जनता को लाभ नहीं, केवल कागजी दावा

हालांकि जैतहरी से खूंटाटोला तक नई डायरेक्ट 33 केवी लाइन बिछाई गई है, लेकिन हकीकत यह है कि अभी तक खूंटाटोला क्षेत्र की बिजली पुरानी वेंकट नगर 33 केवी फीडर से ही आपूर्ति की जा रही है। यानी करोड़ों रुपए खर्च कर बनाई गई लाइन और उपकेन्द्र सिर्फ दिखावे के लिए बने हैं।

एक लाइन पर दो क्षेत्र फॉल्ट होने पर दोनों अंधेरे में

वेंकट नगर और खूंटाटोला को एक ही लाइन पर जोड़ देने से जब भी वेंकट नगर में फॉल्ट होता है, खूंटाटोला भी अंधेरे में डूब जाता है। यह न केवल तकनीकी रूप से गलत है, बल्कि जनता के साथ सीधा अन्याय है।

विद्युत विभाग की घोर लापरवाही

ग्रामीणों और पंचायत प्रतिनिधियों का कहना है कि जब सब स्टेशन बनकर तैयार है, तो उसे चालू करने में देरी क्यों? करोड़ों रुपए की योजना जनता के किसी काम की नहीं, उस पर विद्युत प्रवाह चालू क्यों नही किया जा रहा है। इस पूरे मामले में स्थानीय विद्युत वितरण केन्द्र जैतहरी के प्रभारी, सहायक अभियंता समेत कार्यपालन अभियंता और विभाग की घोर लापरवाही उजागर होती है, जिस पर उच्च स्तरीय जांच की आवश्यकता है। स्थानीय ग्रामीणों ने मांग की है कि खूंटाटोला उपकेन्द्र को तत्काल चालू किया जाए। वेंकटनगर से जबरन जोड़ने की व्यवस्था बंद हो। जनधन की बर्बादी की निष्पक्ष जांच हो।

इनका कहना है

वहां 33 केव्ही लाइन डली है कि नही, इसका पता कर तत्काल व्यवस्था दुरूस्त की जायेगी।
जीपी गोस्वामी, अधीक्षण अभियंता विद्युत विभाग अनूपपुर

राजेन्द्रग्राम के तीन पत्रकार बने हीरो, राहवीर योजना में होंगे सम्मानित

सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की बचाई थी जान

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को तत्काल उपचार केंद्र तक पहुंच कर चिकित्सीय सहायता उपलब्ध करवाने के उद्देश्य केंद्र सरकार द्वारा 1 अप्रैल 2025 से संपूर्ण भारत में राहवीर योजना लागू की गई है, जिसे मध्य प्रदेश सरकार द्वारा 3 जून 2025 से प्रदेश मे प्रारंभ किया गया, इस योजना को पुलिस अधीक्षक के निर्देश अनुसार अनूपपुर पुलिस द्वारा सक्रियता से लागू किया जा रहा है, विगत एक माह में सात प्रस्ताव राहवीर योजना के अंतर्गत पुरस्कार के लिए भेजे जा चुके हैं। इसी क्रम में 12/07/25 को बेनीबारी से तुलरा के बीच घटित सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को स्वयं के वाहन से बेनीबारी स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचने वाले तीन नेक व्यक्तियों के प्रस्ताव पुरस्कार हेतु थाना करणपठार द्वारा भेजे गए हैं।

घायल की ऐसे बचाई जान

12 जुलाई को दोपहर 3 बेनीबारी से तुलराग्राम की ओर जाने वाले रोड पर धूमकापा के पास मोटरसाइकिल फिसलने से घटित दुर्घटना में मोटरसाइकिल चालक के सिर में गंभीर चोट आई थी, जो सड़क पर अचेत अवस्था में पड़ा हुआ था, जिसे राजेंद्रग्राम निवासी सुनील गुप्ता, आशीष सेन एवं आशुतोष सिंह द्वारा स्वयं के वाहन से बेनीबारी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज शहडोल के लिए रेफर किया गया। तीनों नेक व्यक्तियो की तत्परता के कारण घायल व्यक्ति को गोल्डन आवर में प्राथमिक उपचार प्राप्त हुआ, जिससे घायल व्यक्ति की जान को बचाया जा सका। इस नेक कार्य के प्रोत्साहन स्वरूप राहवीर योजना के तहत पुरस्कार के लिए प्रस्ताव भेजा गया है।

मिलावटी दालों का चल रहा कारोबार

अधिक मुनाफा कमाने के लिए सेहत से कर रहे खिलवाड़

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

मिलावटी दाल बिक्री के मामले में अब अनूपपुर जिले की भी गिनती होने लगी है। जहां रेट के अनुसार हर तरह की दाल उपलब्ध हो जाएगी। सूत्रो से मिली जानकारी के अनुसार शहर की कुछ व्यापारियों के गोदामों में भी बड़ी मात्रा में ये मिलावटी दाल भरी हुई है। व्यापारियों द्वारा स्थानीय व्यापारियों को बताया जा रहा है कि वर्तमान कीमत की दाल को सस्ते में वे उपलब्ध करा सकते हैं। कुछ मिलों में तेवड़ा व मटर की पॉलिश की हुई दाल असली चना व राहर की दाल में एक मात्रा के अनुसार मिलाकर भेज दी जाती है। इसके सेवन से नुकसान भी होते हैं। बढ़ती महंगाई का असर लोगों की जेबों पर तो पड़ ही रहा है, लेकिन अब स्वास्थ्य पर भी पड़ने की संभावना बढ़ती जा रही है। दालों की कीमतें आसमान को छूने के बाद इसमें सस्ती दालों की मिलावट होने लगी है। चना व अरहर की दाल में तेवड़ा और मटर की दाल की मिलावट की जा रही है। तेवड़ा दाल को स्वास्थ्य के लिए खतरनाक माना गया है। तेवड़ा की दाल देश के कई राज्यों में खाने के रूप में बिक्री करने के लिए प्रतिबंधित है। ज्यादा

मुनाफा कमाने और प्रतिस्पर्धा के कारण कुछ व्यापारी अरहर की दाल में तेवड़ा की दाल की मिलावट कर रहे हैं।

खाद्य विभाग ने साधा मौन

चना व अरहर की दाल में तेवड़ा की दाल के अलावा बटरी की दाल की भी मिलावट की जा रही है। अरहर में तेवड़ा की मिलावट कोई नई बात नहीं है, लेकिन अब यह धंधा इन दिनों चरम पर है। तेवड़ा की दाल प्रतिबंधित होने के बाद भी इसकी आवक की जा रही है फर्क सिर्फ इतना है कि इसे पशु आहार के रुप में विक्रय किया जाता है, लेकिन कुछ दुकानदार इसे खाने वाली दाल, नमकीन और बेसन में मिक्स करके बेच रहे है। महंगाई के बीच शहर में मिलावटी दालें खुले आम बेची जा रही हैं, लेकिन खाद्य विभाग अब भी अनजान बना हुआ है। यह दाल वाहनों में चोरी-छिपे परचून के बीच आ रही है। लेकिन खाद्य विभाग के अधिकारी इन लोगों पर कार्रवाई करने की जगह उन्ही की दुकानो मे बैठकर चाय व काफी का सेवन कर अपना जुगाड़ साध रहे हैं। यदि इस क्षेत्र की दुकानों में औचक निरीक्षण कर छापे डाले जाएंगे तो बड़ी संख्या में ऐसे माल का स्टॉक बरामद हो जाएगा।

जिले में हाथियों के दस्तक की फिर आशंका

बुढार के अरझुली से खोह पहुंचे चार हाथी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

चार प्रवासी हाथियों का समूह शहडोल जिले के शहडोल एवं बुढार वन परिक्षेत्र की सीमा के क्षेत्रों में निरंतर विचरण करते हुए रविवार की सुबह वन परिक्षेत्र बुढार के खोह बीट के जंगल में पहुंचकर दिन में विश्राम कर रहे है। यह इलाका अनूपपुर जिले के अनूपपुर वन परिक्षेत्र अंतर्गत बड़हर बीट एवं बड़हर गांव के जंगल से लगा हुआ है जिससे रविवार की देर रात चारों हाथियों के बडहर गांव के इलाके में पहुंचने की संभावना बन रही है। इस दौरान बुढार एवं अनूपपुर वन परिक्षेत्र के वन अधिकारी कर्मचारी हाथियों के विचरण पर नजर बनाए रखते हुए हाथी विचरण क्षेत्र के संभावित इलाकों के ग्रामीणों को शाम होते ही सुरक्षित स्थलों पर रहने की सलाह मुनादी एवं अन्य माध्यमों से की है। विदित है कि चार हाथियों का समूह विगत 14 जून को कई दिनों तक छत्तीसगढ़ राज्य के मरवाही इलाके में विचरण करने बाद एक बार फिर से अनूपपुर जिले के जैतहरी इलाके में प्रवेश कर निरंतर जैतहरी, अनूपपुर, राजेंद्रग्राम से डिंडोरी जिले से उमरिया जिले के घुनघुटी, शहडोल जिले के शहडोल एवं बुढार वन परिक्षेत्र एवं तहसीलों के ग्रामीण अंचलों में दिन के समय वन एवं राजस्व के जंगलों में ठहरने बाद देर रात होने पर ग्रामीण अंचलों में पहुंचकर ग्रामीणों के घरों मे तोड़फोड़ कर, खेत, बाडियों में लगे एवं रखें विभिन्न तरह के खाने की सामग्रियों को अपना आहार बनाते हुए शनिवार की देर रात वन परिक्षेत्र बुढार के अरझुली बीट अंतर्गत अरझुली गांव के गर्जनटोला में ग्रामीणों के घरों में तोड़फोड़ करते हुए अंदरूनी क्षेत्र से तुर्री, दलान होकर रविवार की सुबह वन परिक्षेत्र बुढार के खोह बीट के जंगल में पहुंचकर विश्राम कर रहे हैं। यह क्षेत्र अनूपपुर जिले के अनूपपुर तहसील एवं वन परिक्षेत्र के बड़हर गांव एवं वन बीट के जंगल से लगा हुआ है जिस कारण देर शाम एवं रात को बड़हर क्षेत्र में पहुंचकर विचरण करने की संभावना बन रही है। हाथियों के निरंतर विचरण पर वन परिक्षेत्र बुढार एवं अनूपपुर के वन विभाग के अधिकारी कर्मचारी हाथियों के विचरण पर निरंतर निगरानी करते हुए देर रात के समय हाथियों के संभावित विचरण क्षेत्र के ग्रामीणों को सतर्क एवं सावधान रहते हुए देर शाम होते ही बीच बस्ती में सुरक्षित स्थान पर रहने की अपील मुनादी एवं अन्य माध्यमों से की है। एक बार फिर से हाथियों के अनूपपुर जिले में प्रवेश होने की संभावना पर प्रभावित क्षेत्र के ग्रामीण भयभीत एवं परेशान हो रहे हैं क्योंकि एक तरफ बरसात का समय होने गांव के टोला, मोहल्ला में कच्चे-कच्चे मकान होने खेतों में खेती-बांड़ी करने का समय होने पर फिर से हाथियों के द्वारा संपत्तियों के नुकसान किए जाने की आशंका को लेकर ग्रामीण चिंतित है।

तीन दिवसीय क्षेत्रीय स्तरीय एथलेटिक प्रतियोगिता का हुआ समापन

सभी विजेताओं को सम्मानित कर किया गया उत्साहवर्धन

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। मां नर्मदा के पावन उद्गम स्थल पर स्थित पीएम जवाहर नवोदय विद्यालय, अमरकंटक में आयोजित 38 वीं तीन दिवसीय क्षेत्रीय स्तरीय एथलेटिक प्रतियोगिता का समापन समारोह 19 जुलाई को संपन्न हुआ। प्रतियोगिता का आयोजन 17 से 19 जुलाई तक प्राचार्य आशीष शुक्ला के नेतृत्व एवं जिला क्रीड़ा अधिकारियों के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में प्रातः 6 बजे से सायं 5 बजे तक खिलाड़ियों ने पूरे जोश और उमंग के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता की मुख्य आकर्षण रही रिले रेस जिसमें अंडर-19 बालक वर्ग में कटक क्लस्टर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अंडर-19 (बालक वर्ग): प्रथम - कटक, द्वितीय रायपुर, तृतीय - बिलासपुर, अंडर-19 (बालिका वर्ग): प्रथम - बिलासपुर, द्वितीय रायपुर, तृतीय - कटक, अंडर-17 (400 मी. दौड़, बालक वर्ग): प्रथम - कटक, द्वितीय - उज्जैन, तृतीय - बिलासपुर, अंडर-14 (400 मी. दौड़, बालिका वर्ग): प्रथम - उज्जैन, द्वितीय - रायपुर, तृतीय - बिलासपुर, अंडर-17 रिले रेस (बालक वर्ग): प्रथम - रायपुर, द्वितीय बिलासपुर, तृतीय - भोपाल, अंडर-14 रिले रेस (बालक वर्ग): प्रथम - कटक, द्वितीय रायपुर, तृतीय - बिलासपुर बालक वर्ग मे विजेताः कटक (14 गोल्ड, 12 सिल्वर, 10 ब्रॉन्ज), रनर-अपः रायपुर (13 गोल्ड, 13 सिल्वर, 10 ब्रॉन्ज) तो बालिका वर्ग मे विजेताः बिलासपुर (14 गोल्ड, 13 सिल्वर, 10 ब्रॉन्ज), रनर-अपः भोपाल (12 गोल्ड, 12 सिल्वर, 11 ब्रॉन्ज), ओवरऑल चैंपियनशिप विजेताः बिलासपुर क्लस्टर (25 गोल्ड, 26 सिल्वर, 22 ब्रॉन्ज), रनर-अपः रायपुर क्लस्टर (20 गोल्ड, 21 सिल्वर, 20 ब्रॉन्ज) रहे। प्राचार्य आशीष शुक्ला ने समस्त विजेताओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया एवं आयोजन को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी अधिकारियों, शिक्षकों, खेल प्रशिक्षकों एवं विद्यार्थियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। वरिष्ठ शिक्षक डी.एस. सेंगर ने भी सभी सहयोगियों और उपस्थितजनों का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में उमाशंकर पाण्डेय मुन्नू धनंजय तिवारी एवं श्रवण उपाध्याय विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मंच संचालन का दायित्व आर.के. झा, सचिन जाटव, शेख वहीद, और सुश्री अंबिका राय ने निभाया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार के सभी शिक्षकगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

सोनमुड़ा व कपिलधारा ग्लास व्यू प्वाइंट पर बढ़ा खतरा ठेकेदार की मनमानी से दुर्घटना की आशंका

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

पवित्र नगरी अमरकंटक स्थित सोनमुड़ा एवं कपिलधारा पर्यटक स्थलों पर स्थापित ग्लास व्यू प्वाइंट अब पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र तो बन चुका है, लेकिन प्रशासनिक लापरवाही और ठेकेदार की मनमानी के कारण यह दर्शनीय स्थल दुर्घटना को आमंत्रण देने लगा है। मध्य प्रदेश पर्यटन विकास निगम की "महिती प्रसाद योजना" के अंतर्गत निर्मित इस रोमांचक ग्लास प्लेटफार्म को नगर परिषद अमरकंटक के माध्यम से एक निजी ठेकेदार को संचालन हेतु सौंपा गया है, लेकिन अब ठेकेदार व उसके कर्मचारी सुरक्षा मानकों और नियमों को धता बताते हुए निर्धारित भार क्षमता से कहीं अधिक पर्यटकों को एक साथ ग्लास व्यू प्वाइंट पर भेज रहे हैं।

गंभीर सुरक्षा चूक

ज्ञात हो कि निगम द्वारा स्पष्ट रूप से लिखित में ग्लास व्यू प्वाइंट की अधिकतम भार क्षमता पाँच व्यक्तियों तक निर्धारित की गई है। साथ ही निर्देशित किया गया है कि दर्शक नंगे पांव अथवा कवर-शू पहनकर ही ग्लास पर जाएं, ताकि संरचना को कोई क्षति न पहुँचे। परंतु मौके पर 12-15 पर्यटकों को एक साथ भेजा जा रहा है, वह भी जूते-चप्पलों के साथ। यह लापरवाही किसी भी समय भयंकर हादसे का कारण बन सकती है, क्योंकि इस ग्लास प्लेटफार्म के नीचे सैकड़ों फीट गहरी खाई स्थित है।

आर्थिक शोषण और अवैध वसूली

सुरक्षा नियमों की अनदेखी के साथ-साथ पर्यटक तीर्थ यात्रियों से निर्धारित शुल्क से दुगना शुल्क वसूला जा रहा है। हाल ही में वायरल हुए एक वीडियो में ठेकेदार व कर्मचारियों को यात्रियों से मनमाने ढंग से पैसा लेते तथा क्षमता से अधिक भीड़ ग्लास पर भेजते स्पष्ट देखा गया। इससे नगर परिषद की छवि भी धूमिल हो रही है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अब यह आवश्यक हो गया है कि नगर परिषद अमरकंटक संबंधित ठेकेदार पर कड़ी कार्यवाही करें। यदि समय रहते उचित कदम नहीं उठाए गए, तो यह पर्यटक स्थल कभी भी भयावह दुर्घटना का साक्षी बन सकता है।